हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 14 जुलाई 2025

10 नशे के खिलाफ जंग में पुलिस को कामयाबी, 349 युवा समाज...

10 दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में फतेहाबाद से गई 80 बसें...

खबर संक्षेप

जुए के अड्डे पर पुलिस की रेड, चार दबोचे

डबवाली। सीआईए डबवाली पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान गांव चौटाला से सार्वजनिक जगह पर जुआ खेल रहे चार लोगों को 7900 रुपए की जुआरशि के साथ गिरफ्तार किया है। सीआईए डबवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम एएसआई पालाराम के नेतृत्व में गश्त व चैकिंग के दौरान गांव चौटाला में बस अड्डा के समीप मौजूद थी। इस दौरान कार्रवाई की गई।

पानी निकासी न होने से दुकानदार परेशान

रतिया। फतेहाबाद रोड पर स्थित ऑटो मार्केट में पानी निकासी न होने से दुकानदारों में नगरपालिका प्रशासन के प्रति भारी रोष है। एक सप्ताह पहले आई बरसात के पानी की निकासी नहीं होने व रोड टूटा होने के कारण दुकानदार नरक जैसे हालात का सामना कर रहे हैं। नगर पालिका को बार-बार शिकायत देने के बाद भी बरसाती पानी की निकासी नहीं की जा रही।

नेत्र जांच शिविर में 195 रोगियों को जांचा

सिरसा। समाजसेवी संस्था बाबा बिहारी नेत्रालय द्वारा रविवार को रानियां रोड स्थित पीर मंदिर में निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑप्रेशन शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 195 नेत्र रोगियों की जांच की गई और उनमें से 13 को बाबा बिहारी नेत्रालय में ऑप्रेशन के लिए चयनित किया गया जबकि 50 नेत्र रोगियों को चश्मे वितरित किए गए।

मेडिकल स्टोर में मारपीट करने पर आरोपी काबू

ओढां। थाना ओढ़ा पुलिस ने मेडिकल स्टोर में घुसकर तोडफ़ोड़, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित पांचवें आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जसप्रीत सिंह उर्फ शम्भू पुत्र जगरूप निवासी ओढ़ा के रूप में हुई है। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी ब्रह्म प्रकाश ने बताया कि बीती 14 जून को निर्मल सिंह पुत्र अजेब सिंह निवासी ओढ़ा ने शिकायत दी थी कि उसकी कालांवाली कैंचियों पर सिधु फार्मेसी मेडिकल नाम से दुकान है।

सामूहिक विवाह उत्सव 3 सितंबर को

रतिया। श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा समिति की ओर से हर साल की तरह इस बार भी कन्याओं के सामूहिक विवाह उत्सव व श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ कथा का 3 सितम्बर से 5 सितम्बर तक आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा समिति की बैठक अनाजमंडी में सुभाष सिंगला के कार्यालय में हुई। समाजसेवी प्रेम गर्ग ने बताया कि समिति द्वारा हर साल श्री सदानंद महाराज के सान्निध्य में कन्याओं के सामूहिक विवाह व कथा करवाई जाती है।

रक्तदान कैंप में 52 यूनिट रक्त एकत्रित

रतिया। भारत विकास परिषद शाखा रतिया द्वारा एसएस जैन सभा के सहयोग से रक्तदान कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में मंगलम ब्लड बैंक, फतेहाबाद द्वारा अपनी सेवाएं दी गई। कैम्प में विशिष्ट अतिथि के तौर पर अंकित सिंगला व कपिल सिंगला ने भाग लिया। एसएस जैन सभा के प्रधान संजीव जिंदल, भारत विकास परिषद शाखा रतिया के संरक्षक डॉ. नरेश गोयल, अध्यक्ष राज कुमार सिंगला, सचिव लोकेश खुराना, वित्त सचिव सौरव गोयल, गतिविधि संयोजक संस्कार प्रेम बंसल, गतिविधि संयोजिक संपर्क प्रवीण तनेजा, महिला गतिविधि संयोजक डॉ. शबीना जैन, वरिष्ठ सदस्य डॉ. चरणजीत मलिक, सतपाल सेठी आदि मौजूद रहे।

सावन का पहला सोमवार आज, शिवालय और मंदिर सजकर तैयार

महाशिवरात्रि 23 को, शिवपूजा और जलाभिषेक के लिए 41 मिनट रहेगा शुभ मुहूर्त, कावड़ियों ने भी शुरू की तैयारियां

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सावन माह की शुरूआत होते ही शिवभक्तों में नए जोश का संचार हो जाता हैं। सावन माह का आज पहला सोमवार है। मंदिरों में जहां सुबह से ही जलाभिषेक और पूजा अर्चना को लेकर शिवभक्तों की भीड़ उमड़ने लगी हैं वहीं हरिद्वार से कावड़ लाने के लिए कावड़ संघों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। फतेहाबाद से डाक कावड़ के लिए जत्थे 17 जुलाई से रवाना होना शुरू होंगे। शिवरात्रि को लेकर मंदिरों को सजाने का काम भी शुरू हो गया है। इस बार महाशिवरात्रि का पर्व 23 जुलाई को यानि कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को है। इस दिन भगवान शिव के भक्त हरिद्वार से कावड़ लेकर अपने-अपने शहरों में शिवलिंगों पर जलाभिषेक करते हैं। महाशिवरात्रि का पर्व प्रत्येक मंदिर व शिवालयों में बड़ी ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इसको लेकर शिवभक्त पूरे वर्ष सावन मास का इंतजार करते हैं।

डाक कावड़ के लिए जत्थे 17 जुलाई से होंगें रवाना

सावन माह शुभ

हिंदू धर्म में सावन माह को अत्यंत शुभ और पवित्र माना गया है। यह महीना विशेष रूप से भगवान शिव को समर्पित होता है। पूरे सावन भर श्रद्धालु शिवजी की उपासना करते हैं और जलाभिषेक से उन्हें प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं। इस दौरान पडने वाली मासिक शिवरात्रि का महत्व और भी बढ़ जाता है। मासिक शिवरात्रि हर माह कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को आती है, लेकिन जब यह तिथि सावन महीने में पड़ती है, तो इसका आध्यात्मिक महत्व कई गुना अधिक हो जाता है।

फतेहाबाद। शिवरात्रि को लेकर सजा श्री श्याम मंदिर। फोटो: हरिभूमि

पूजा का सर्वोत्तम समय 24 को रात 12:07 बजे रहेगा

श्री श्याम मंदिर के पुजारी पंडित सोनू शर्मा के अनुसार सावन माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 23 जुलाई 2025 को सुबह 4:39 बजे से होगी और यह तिथि अगले दिन 24 जुलाई को रात 2:28 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार सावन शिवरात्रि का व्रत 23 जुलाई, बुधवार को रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि सावन मासिक शिवरात्रि पर भगवान शिव की विशेष पूजा रात्रि के समय की जाती है, जिसे निशिता काल कहा जाता है। इस बार पूजा का सर्वोत्तम समय 24 जुलाई को रात 12:07 बजे से 12:48 बजे तक रहेगा। इस मुहूर्त में कुल 41 मिनट का समय होगा, जो कि शिव पूजन और जलाभिषेक के लिए सबसे शुभ माना गया है।

शिवालयों पर काले तिल, लौंग व पीपल पर करें जलाभिषेक

पंडित सोनू शर्मा के अनुसार सावन की शिवरात्रि का दिन भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि इस दिन किया गया व्रत और पूजन वैवाहिक जीवन में प्रेम, सामंजस्य और सुख-शांति बनाए रखता है। यह व्रत विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं और विवाहित महिलाओं के लिए फलदायक माना जाता है। इस दिन शिवलिंग पर जल, दूध, शहद, बेलपत्र, धतूरा और आक चढ़ाकर शिवजी को प्रसन्न किया जाता है। भक्तों का मानना है कि इस दिन शिव जी की सच्चे मन से की गई उपासना सारे पापों को नष्ट करती है और मोक्ष की प्राप्ति कराती है। पंडितों की मानें तो इस दिन शिवालयों पर काले तिल, लौंग व पीपल पर जलाभिषेक करने से परिवार में संकट व बीमारी टल जाती हैं।

वाहन न लेने आने पर पुलिस करेगी नीलामी

थानों में धूल फांक रहे 1889 जब्त किए वाहन, 699 मालिकों को नोटिस जारी

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने जिले के सभी थानों प्रभारियों को भी दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पुलिस द्वारा विभिन्न मामलों में इम्पाऊंड किए गए वाहन थानों में पिछले कई सालों से धूल फांक रहे हैं। इन वाहनों के मालिक उन्हें लेने तक नहीं आ रहे हैं। पुलिस के पास अधिकतर बाइक मालिकों के मोबाइल नंबर नहीं हैं, जिससे संपर्क करना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में जिला पुलिस विभाग ने फैसला लिया है कि इन वाहनों के मालिकों को पुलिस द्वारा पहले नोटिस भेजे जाएंगे और उसके बाद भी अगर वाहन मालिक इन्हें लेने नहीं आता है तो इन सभी वाहनों की नीलामी कर दी जाएगी। इसको लेकर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन द्वारा जिले के सभी थानों प्रभारियों को भी निर्देश जारी किए गए हैं। एसपी ने सभी थानों प्रभारियों से उनके थानों में खड़े ऐसे वाहनों की पूरी डिटेल तलब की है। इन वाहनों के मालिक दिल्ली, गुरुग्राम आदि एरिया से संबंधित हैं, जिनके मोबाइल नंबर से संपर्क नहीं हो पा रहा है। ऐसे में अब उनके पते पर पहुंचकर संपर्क किया जाएगा।

फतेहाबाद। थाने में खड़े जब्त वाहन। फोटो: हरिभूमि

493 मालिक वाहन लेने पहुंचे

जिले में कुल 1889 वाहन विभिन्न थानों में खड़े हैं। इनमें से पुलिस ने 699 वाहन मालिकों को नोटिस जारी कर दिए हैं। नोटिस जारी होने के बाद 493 वाहन मालिक यहां पहुंचे और अपनी कागजी कार्रवाई पूरी करके अपने वाहनों को ले गए। इसके अलावा 111 वाहन मालिकों के खिलाफ पुलिस ने एक्शन भी लिया है। फतेहाबाद के सदर थाने में 217 वाहन खड़े हैं। इनमें से 88 मालिकों को नोटिस भेजे गए हैं। शहर थाना में 285 वाहन खड़े हैं। यहां 90 को नोटिस दिए गए हैं। इन बाइकों में अधिकतर दिल्ली, गुरुग्राम और हिसार के हैं। पुलिस को इन मालिकों के पते और नंबर नहीं मिल रहे हैं। इसलिए अब पुलिसकर्मी दिल्ली और गुरुग्राम जाकर बाइक मालिकों को ढूंढेंगे और नोटिस देंगे। ट्रैफिक थाना में 57 बाइकें कई सालों से खड़ी हैं। इनमें से 22 मालिकों को नोटिस भेजे गए हैं। इन बाइकों के चालान हजारों रुपये के हैं। कई बाइकें इतनी पुरानी हैं कि उनकी कीमत चालान से भी कम है इसलिए मालिक उन्हें छुड़ाने नहीं आ रहे हैं।

जब्त वाहनों को अशुभ मानकर लेने नहीं आते लोग

थानों में लावारिस, मुकदमों में शामिल, चालान और हादसों में जब्त वाहन खड़े हैं। कुछ लोग इन बाइकों को अशुभमानकर लेने नहीं आ रहे हैं। कुछ ने बिना कागजों के बाइक खरीदी थी, इसलिए लेने नहीं आ रहे। इसकी वजह से थानों में यह वाहन ऐसे ही खड़े रहते हैं।

दो नोटिस भेजने के बाद नीलामी

जब कोई वाहन जब्त होता है तो पुलिस दो बार नोटिस भेजती है। इसके बाद कोर्ट से विज्ञापन की अनुमति का इंतजार होता है। फिर नीलामी की प्रक्रिया शुरू होती है। इस पूरी प्रक्रिया में समय लगता है। थानों में जब्त वाहन ज्यादा हो गए हैं। इससे नए वाहन रखने की जगह नहीं बची है।

एसपी सिद्धांत जैन ने अलग से एक इंस्पेक्टर की ड्यूटी लगाई हुई है। जो हर थाने में जाकर जब्त वाहनों के बारे थाने द्वारा क्या कार्रवाई की है, यह जानकारी दर्ज करेंगे और उसकी रिपोर्ट एसपी को देंगे। थानों को बाइक मालिकों को नोटिस भिजवाने की संख्या बढ़ाने का काम करेंगे। अगर कोई लापरवाही बरत रहे तो उसके खिलाफ कार्रवाई को लिखेंगे। बता दे कि एसपी सिद्धांत जैन ने बीते दिनों ही थाने में खड़े वाहनों को लेकर नीलामी संबंधित लिखने के लिए आदेश दिए थे।

वाहन की बीमा पॉलिसी में की छेड़छाड़, आरोपी काबू

- आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

धोखाधड़ी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने रविवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन का बीमा क्लेम के लिए वाहन मालिक द्वारा बीमा दस्तावेज में छेड़छाड़ की गई है। पकड़े गए आरोपी की पहचान संदीप सिंह पुत्र खेम सिंह निवासी बलौद कलां जिला संगरूर, पंजाब के रूप में हुई है। आरोपी को माननीय अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार इस बारे पुलिस ने 10 जुलाई को चिराग जैन की शिकायत पर धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार वह रिस्क कंट्रोल यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कम्पनी, जयपुर कार्यालय में काम करता है। उनकी बीमा कम्पनी को मोटर दुर्घटना न्यायालय जींद से एक क्लेम याचिका प्राप्त हुई जिसके अंतर्गत 10 नवम्बर 2020 को एक वाहन पीबी19एच-3691 के दुर्घटनाग्रस्त होने बताया गया और इसकी एफआईआर थाना शहर टोहाना में दर्ज की गई थी।

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में धोखाधड़ी का आरोपी। फोटो: हरिभूमि

एएनसी स्टाफ ने भट्टू क्षेत्र से युवक को हेरोइन सहित किया गिरफ्तार

- 6.20 ग्राम हेरोइन बरामद, आरोपी से पुछताछ जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में जिले में नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस ने भट्टू क्षेत्र से सिरसा के एक युवक को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने युवक के कब्जे से 6.20 ग्राम हेरोइन बरामद की है। एएनसी प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद राय ने बताया कि एएनसी स्टाफ लगातार नशा तस्करों पर सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में एएनसी टीम सहायक उपनिरीक्षक रघुबीर सिंह के नेतृत्व में भट्टू क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि अलीसर पुत्र साधू खान निवासी कागदाना जिला सिरसा नशे की तस्करी का काम करता है और आज भट्टू मंडी में नशे की सप्लाई के उद्देश्य से आया हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने क्षेत्र में नाकाबंदी कर संदिग्ध युवक को काबू किया और नियमानुसार उसकी तलाशी ली गई, जिसमें उसके कब्जे से 6.20 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ थाना भट्टूकलां में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है।

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में हेरोइन सहित पकड़ा गया युवक।

सिरसा। पकड़ा गया चूरापोस्त तस्कर पुलिस गिरफ्त में। फोटो: हरिभूमि

अवैध बांग्लादेशी नागरिकों पर होगी सख्त कार्रवाई रहना है तो दस्तावेज दिखाओ, वरना बॉर्डर भेजे जाओगे

- पुलिस अधीक्षक ने दिए सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को सख्त निर्देश

फतेहाबाद। जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों, विशेष रूप से बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें डिटेन करने और सीमा पार वापस भेजने के लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को स्पष्ट और सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक शांति एवं कानून व्यवस्था को बनाए रखने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित ईंट भट्टों, निर्माण स्थलों, फैक्ट्रियों, गोदामों, अस्थायी मजदूर बस्तियों तथा अन्य श्रमिक स्थलों पर विशेष जांच अभियान चलाया जाए। इन स्थलों पर कार्य कर रहे श्रमिकों की नागरिकता की गहनता से जांच की जाए और यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध पाया जाता है या उसके पास भारत में रहने का वैध दस्तावेज नहीं है, तो उसके विरुद्ध तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर आवश्यक कागजी कार्यवाही के पश्चात स्थानीय उपमंडल अधिकारी के माध्यम से उन्हें डिटेन किया जाए और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अंतरराष्ट्रीय सीमा (बॉर्डर) पर भेजा जाए। इस अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए पुलिस को राजस्व विभाग, खुफिया इकाइयों और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

दो तस्कर 21 किलोग्राम चूरापोस्त सहित काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस ने दो नशा तस्करों को 21 किलोग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। ऐलनाबाद सीआईए प्रभारी नरेश कुमार ने रविवार को बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह व शंकर लाल के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान करीवाला से बणी की तरफ जा रही थी तो रास्ते में एक संदिग्ध व्यक्ति मिला जो पुलिस को देखकर वहां से फरार होने की कोशिश करने लगा। संदेह की सूरत में पुलिस ने उसे काबू तलाशी ली तो उसके कब्जे से 10 किलो 210 ग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम गुरप्रीत सिंह निवासी सेनपाल बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना रानियां में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज किया है। एक अन्य मामले में पुलिस ने अनाजमंडी बणी के समीप एक व्यक्ति को 11 किलो 350 ग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शंकरलाल निवासी गांव गिलवाला, हाल किराएदार बणी बताया। आरोपी के पास मौजूद थैले की जांच करने पर उसके कब्जे से नशीला पदार्थ बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और गहनता से पूछताछ कर चूरापोस्त तस्करी के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के नाम पता मालूम कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीएम फ्लाइंग टीम की रेड, किसानों की शिकायत पर की कार्रवाई

खाद की कालाबाजारी कर रहे दुकानदार को रंगे हाथों पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सीएम फ्लाइंग टीम ने सिरसा की अनाज मंडी में रविवार को रेड मारकर एक दुकानदार को ब्लैक में खाद बेचते रंगे हाथों पकड़ा है। सीएम फ्लाइंग टीम ने किसानों की शिकायत पर यह कार्रवाई की है। टीम ने बोगस ग्राहक बनाकर दुकान पर भेजा और उसे जो नोट दिए उनका नंबर नोट कर लिए। जैसे ही दुकानदार ने ग्राहक को ब्लैक में खाद बेची तो इशारा मिलते ही टीम ने दुकानदार को दबोच लिया। भारतीय किसान एकता के प्रधान लखविंदर सिंह ने कहा कि कुछ दुकानदार बेखौफ होकर खाद की कालाबाजारी कर रहे हैं। किसानों को 1800 रुपए प्रति बैग डीएपी और 350 रुपए प्रति बैग तक यूरिया बेची जा रही है। मजबूर व लाचार किसानों को लुटवाने के लिए अनाज मंडी के कई आढ़ती भी दुकानदारों से मिले हुए हैं। गांवों के कुछ दुकानदार भी छोटे किसानों को ब्लैक में डीएपी व यूरिया खाद बेचकर लूट रहे हैं। निम्न क्वालिटी के फर्टिलाइजर, बायोफर्टिलाइजर व पेस्टिसाइड्स की खाद के साथ टैगिंग की जा रही है।

सिरसा। मौके पर कार्रवाई करती सीएम फ्लाइंग टीम। फोटो: हरिभूमि

किसानों को चौतरफा मार झेलनी पड़ रही : किसान नेता

सीएम फ्लाइंग द्वारा नोटों के नंबर नोट करके आज एक ग्राहक भेजा गया, जिसको उक्त दुकानदार ने 320 रुपए प्रति बैग के हिसाब से 10 गट्टे यूरिया 3200 रुपए में बेची गई। सीएम फ्लाइंग ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट परमजीत सिंह व सब इंस्पेक्टर जितेंद्र सिंह सीएम फ्लाइंग हिसार व लोकल पुलिस के साथ मौके पर पहुंच कर दुकानदार को रंगे हाथों 3200 रुपए में 10 गट्टे बेचते हुए पकड़ा। शनिवार 12 जुलाई को भी एक किसान को 7 गट्टे यूरिया 320 रुपए के हिसाब से बेची गई। किसान नेता ने कहा कि किसानों को चौतरफा मार झेलनी पड़ रही है। कई महीनो तक नहरों में पानी ना आने की वजह से हजारों एकड़ में फसलों की बिजाई नहीं हुई है। अब नकली निम्न क्वालिटी के बीज, खाद, बायोफर्टिलाइजर व पेस्टीसाइड्स बनाने वाली कई कंपनियां रंग-बिरंगी पैकिंगों में उत्पाद बनाकर बाजार में किसानों को बेचकर लूट रही है।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

लखमीचंद का वाग्वैभव हरियाणा की शान

काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्यकवि कहलाए दादा लखमी

कविवर लखमीचंद कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है।

15 जुलाई :जयंती विशेष

चंद्रशेखर शर्मा

जीवन और जगत से जुड़ी चर्चा ध्यान तो खींचती है सभी का किन्तु जब वह बात लोकोपयोगी सिद्ध हो जाती है तो एक साहित्य में स्थान पा जाती है। मैं कौन हूं, कहां से आया हूं, किस लिए आया हूँ ? ऐसे-ऐसे प्रश्न जनसाधारण को और बुद्धिजीवी वर्ग को कभी से सालते रहे हैं।

सम्पन्नता से भरे जीवन के बाद भी आत्मा तुष्टि के लिए संधान में जुटी रही है। यह आत्मा चूंकि उस अच्युत का ही अंश है अतः उसी के परम-स्वरूप का सान्निध्य पाने और उसी में लीन होने के लिए लालायित रहती है। हमारे समाज ने अच्छे-बुरे समय को देखा है पर उस समय में एकरसता का प्रसार करना, समाज में सौमनस्य स्थापित करने का कार्य जो हमारे साहित्यकारों ने किया है, उसे हम कथमपि न्यून नहीं कह सकते। हरियाणा की भूमि ने जहां राष्ट्रभाषा को समृद्ध करने वाले और सजग साहित्यकार दिए वहीं आंचलिकता को सम्पन्न करने वाली विभूतियां भी दीं। इन्हीं आंचलिक विभूतियों में एक नाम है कवि शिरोमणि दादा लखमीचंद का जो अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्य-कवि कहलाए। हम सभी जानते हैं कि जब सूर्योदय होता है तो आकाश के वो सितारे जो सूर्य के पीछे अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं, दिखाई नहीं देते और न ही वो सितारे दिखायी देते हैं जो सूर्य से पहले दिखायी देते हैं। सूर्य का आलोक है ही ऐसा।

यह तथ्य है कि हरियाणा का कोई संस्कृति-प्रेमी अभागा-सा ही प्रतीत होता है जो पण्डित लखमी चंद के नाम से अपरिचित प्रमाणित होता है। उनका नाम प्रदेश के अग्रगण्य साहित्यकारों में आता है। उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन सांगों के माध्यम से किया। सांग (स्वांग) हरियाणा की प्रसिद्ध अभिव्यक्ति-शैली है जिसमें एक समृद्ध परम्परा साफ-साफ हमारे सामने आ खड़ी होती है। पन्द्रह जुलाई सन् 1903 को जिला सोनीपत के गांव जांटी में जन्मे पण्डित लखमीचंद अपठित थे पर अक्षर ज्ञान न होने के बावजूद भी उन्होंने लोकप्रियता के जिस स्तर को छूआ, उसे जानकर आज भी उनका व्यक्तित्व स्पृहणीय है। बेशक वो अपठित थे लेकिन बहुश्रुत होना उन्हें बड़ा रास आया था। दो-सौ रुपये प्रतिमाह पर दो ब्राह्मणों को केवल इसलिए रखा कि वे उन्हें श्रीमद्भागवत की कथा सुना दिया करें और श्रवणोपरान्त किसी शब्द का सही अर्थ बता दिया करें तथा किसी शंका का समाधान भी प्रस्तुत कर दिया करें। उनकी यह सार-संग्रही -वृत्ति उन्हें अग्रगण्य बना गई।

मण्ढाणा गांव के जिस दिव्य और सिद्ध पुरुष के यह बात पुष्ट हुई कि इस (लखमीचंद) से क्या प्रश्न पूछा जाय, इसके तो मुख पर साक्षात सरस्वती का वास है। वैसे मण्ढाणे वाले बाबा की सिद्धियों की मैंने भी अपने घर-परिवार में सुनी है। उनकी एक प्रति या भिवानी के किरोड़ीमल मन्दिर में देखी जा सकती है।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है। सेठ ताराचन्द्र, शाही लक्कड़हारा, नल-दमयंती, मीरा बाई आदि उनके जितने भी स्वांग हैं, उनमें पात्रों को जिस प्रकार से भाव मण्डित किया गया है, वह बेमिसाल है।

परम तत्त्व के साथ जुड़ जाने की तीव्र लालसा और संसार की इच्छाओं और आकर्षण के प्रति बिराग लिए घूमना व्यक्ति को व्यक्ति नहीं कुछ और ही बना देता है। ऐसी अवस्था में ये बोल मुख से निकल आएं तो क्या आश्चर्य कि

'लख चौरासी खतम हुई ना बीत कलप युग चार गए
कितनी मायां का दूध पी लिया मरते-मरते हार गए।'

ऐसे विचार किसी मुमुक्षु के ही हो सकते हैं। उनके विचार जो सामने आते हैं, उनका स्तर जन सामान्य के स्तर से कहीं ऊंचा है।

लौकिक व्यवहार को जानने वाले इस सच से वाकिफ होंगे कि प्रणय-सम्बंधों की जब शुरुआत होती है तो पहला कदम पुरुष को ही उठाना होता है किंतु सत्यवान और सावित्री के प्रसंग में यह हरकत, यह पेशकश सावित्री की ओर से आती है। 'फर फर, फर-फर फररर.. होरी हवा में उड़ता चीर तेरा' नामक रागनी नारी का नर के आगे प्रणय निवेदन करना देखने और सुनने वाले में रोचकता को भर देता है। 'मेरा कुणसा ढंग सुसराड़ जान का दमयंती भोली-भाली, कोए बुरा कहै कोए भला कहै कोए राम-राम बुरा दे गाली' कविताई को जानने वाले सहज ही अनुमान लगा लेते हैं कि शब्द पण्डित जी के आगे प्रार्थना कर रहे हैं, अपने चयन के लिए। अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर उन्होंने सामाजिक हित के बहुत कार्य किए। वैदिक पाठशाला खोलना, गोशालाएं खोलना, तालाब आदि खुदवाना जैसे बहुत से प्रशंसनीय कार्य उन्होंने किए। कुछ विवशताओं के चलते उन्हें शराब पीने की लत भी लगी, जिसका परिणाम यह हुआ कि उनका स्वास्थ्य निरन्तर गिरने लगा। गाँव कुमासपुर में जनता के भारी आग्रह पर उन्हें एक सांग में लाया गया था। उस स्थान पर लोगों ने उनकी अन्तिम उपस्थिति देखी थी। वर्ष 1945 में वो देदीप्यमान नक्षत्र इस संसार से विदा ले गया। उनकी वंश परम्परा में आज उनके पौत्र पण्डित विष्णुदत्त हैं। शिष्य परम्परा में कई नाम हैं, पर पण्डित मांगेराम उनके सर्वाधिक प्रिय सांगी हुए हैं।

कविवर लखमीचंद के व्यक्तित्त्व और कृतित्व का प्रभाव क्या कहिए, कई दृष्टांत ऐसे हैं जो अचम्भित करते हैं। जैसे ही समाज में यह खबर फैली कि पण्डित लखमीचंद अब इस दुनिया में नहीं रहे तो रोहतक के सोनीपत स्टैंड पर एक किसान ने चीखते हुए अपने ऊपर मिट्टी का तेल डाला और आग लगा ली, उसके ये शब्द -'हाय दादा! तेरे बिना कोन्या जिया ज्यावै।' वह कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की। फिर कोई पण्डित मान सिंह सरीखा गुरु आए और पण्डित लखमीचन्द्र जैसा शिष्य दे दे।

रागनी | रामधारी खटकड़

बेटी हिन्दुस्तान की

सुण बेटी हिन्दुस्तान की तू बहोत घणी होशियार
जगत म्हं हो नाम...हे तेरी चाहूं जय जयकार (टेक)

सामाजिक प्रदूषण बढग्या , इसनै दूर हटाईये बेटी
नशीली इस संस्कृति म्हं बिल्कुल खो ना जाईये बेटी
विज्ञापन की चमक-दमक तै अपणा गात बचाईये बेटी
गुण्डागर्दी छीनाझपटी जगह - जगह इब दीक्खै हे
बाजार गर्म है नंगेपण का , हर चैनल पै चीखै हे
मॉडल आळा सपना लेकै , नया ऐब ना सीखै हे
बुराई तै टकरा...और नया माहौल कर त्यार.....
जगत म्हं हो नाम.....

भगतसिंह की दुर्गा भाभी , तनै बणाणा चाहूँ सूं
शहीदां नै इस देश के अन्दर फेर बुलाणा चाहूँ सूं
भ्रष्टाचारी इस सिस्टम तै पिण्ड छुड़ाणा चाहूँ सूं
कमरे म्हं फिल्मी चित्र , बिल्कुल ना चिपकाईये हे
बिगड़ी जा रही शान देश की , इसनै ईब बचाईये हे
चन्द्रशेखर राजगुरू सुखदेव का फोटू लाईये हे
चाहिए सै हथियार....हे ले ज्ञान हथियार....
जगत म्हं हो नाम......

काला चश्मा तार आंख तै , आंख खुलैगी तेरी हे
नन्हीं - नन्हीं जान देश की ढाब्यां पै दुख खे री हे
बर्तन मलमल जिन्दगी को ये मुश्किल धक्का दे री हे
किते - किते गोदाम सड़ैं , किते भूखे बच्चे रोते हैं
टूक मिलै ना पेट भराई , सुबक - सुबक कै सोते हैं
भ्रष्टाचारी माणस देखो मिलकै नाव डुबोते हैं
मिलकै इसे बचा...ना तै डुब्बैगी मझधार......
जगत म्हं हो नाम.............

स्वाभिमान तै जीणा सीख , बात मेरी ले मान लाडली
हर क्षेत्र म्हं आगै बढकै , हिन्द की बणज्या शान लाडली
तेरे लबों से सुणना चाहूं , जागृति का गान लाडली
दुनियां म्हं म्हारी इज्जत बढज्या , ऐसे करिये काम हे
तेरा पिता मैं न्यूं चाहूं , तू म्हारा कर दे नाम हे
हम जीन्द जिले के रहणे आळे , खटकड़ सै म्हारा गाम हे
रामधारी नै तू गा....फेर नया बसै संसार.......
जगत म्हं हो नाम

रागनी | पवन मित्तल

कवि सै दरबारी कोन्या

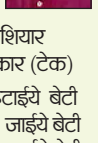

कवि सै दरबारी कोन्या, इतने अनाचारी कोन्या ।
सत्ता के पुजारी कोन्या, जो गीत उनके गाएं जां ।। टेक

कवि धोरै कवि आवैं , चलै ज्ञान के रगड़े
तर्कशास्त्र करने की खातिर , सारे होज्यां तगड़े
रहण दो सब झगड़े टंटे, छलकै उड़ै प्रेम के बंटे
होज्यां बारहा-बारहा घंटे , सुने जां सुनाये जां...1

सच्चाई तै लिखना म्हारा , ना भय कोए गम ना
सब दुनिया का भला चाहवै सै , हम किसै तै कम ना
चलै कलम जब भी म्हारे पै,चोरां की नाड़ धरी आरे पै
समता और भाईचारे पै , लिखे जां लिखाये जां...2

कवि धर्म एकाधां जाणै , बहोत मिलै बेवकूफ
बनकै भांड घणे हांडै सै , इसाए इनका भूप
फिर कोई नेताजी चाहिए,ना कमती ना बाहदू चाहिए
राजनीति का साधु चाहिए , जो बसे जां बसाए जां...3

पवन मित्तल कवियां म्हं रहकै , मन होग्या सै जोगी
डर भय का कोए काम नहीं , डरा करै सै भोगी
बामणवास का नाम करादे, जियानंद का भजन करादे
देश हित की रागनी करादे , गाएं जां बजाये जां....4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर

मराठों ने जार्ज थॉमस की बढ़ती शक्ति को देख अपने कमांडर जनरल पैरों को उस पर धावा बोलने के आदेश दिए

जहाजगढ़ में 1801 में हुआ था भीषण युद्ध

इतिहास | यशपाल गुलिया

झज्जर के पश्चिम में स्थित जहाजगढ़ गांव के इर्द गिर्द महीने भर तक भीषण युद्ध हुआ था। दिल्ली दरबार पर मराठों का वर्चस्व कायम होने पर उन्होंने आयरलैंड वासी अपने एक कमांडर को झज्जर की जागीर प्रदान की थी। जार्ज थॉमस नामक यह अधिकारी कुछ ही महीनों में इतना शक्तिशाली बन गया कि उसने न केवल जहाजगढ़ में एक किला बना लिया बल्कि मराठों से स्वतन्त्र होकर अपना एक नया राज्य ही स्थापित कर लिया था। ये सभी गतिविधियां वर्ष 1794 से 1801 के मध्य की गई थी।

दिल्ली की तलहटी से लेकर हांसी-हिसार तक गठित अपने राज्य का नाम सर्वप्रथम हरियाणा उसी ने रखा था लेकिन उसके इतना बलशाली एवं स्वतन्त्र होने पर मराठों को दिल्ली के लिए खतरा अनुभव होने लग गया था। तब वर्ष 1801 में मराठा मुखिया सिंधिया ने अपने कमांडर जनरल पैरों को जार्ज पर धावा बोलने का आदेश दे दिया। लेकिन तब तक जार्ज थॉमस एक बड़ी सेना गठित कर चुका था। वह हांसी के किले में तोपे बनाने का कार्य कर चुका था। उसके तीन और स्थानों झज्जर, जहाजगढ़ तथा हांसी में पर्याप्त युद्ध सामग्री का संग्रह हो चुका था। मराठों तथा जार्ज दोनों की सेनाओं में यूरोपीय कमांडर नियुक्त थे। जनरल पैरो फ्रान्स देश का वासी था। अन्ततः वार्ता आदि के विफल रहने पर मराठा सेना ने लुईस बौरकीन के नेतृत्व में जार्ज के गढ़ जहाजगढ़ पर सितम्बर 1801 में आक्रमण कर दिया। जनरल पैरों स्वयं झज्जर तक आया तथा भरे खां नामक अधिकारी को झज्जर का प्रशासक बनाया गया। फिर बौरकीन व स्मीथ की सेना ने भारावास थली तथा माजरा गांव के पास कैम्प किया। उधर जार्ज भी हांसी का चार्ज रोहिला बटालियन को सौंपकर जहाजगढ़ किले में पहुंच गया और सितम्बर के अन्तिम सप्ताह से ही युद्ध आरम्भ हो गया। दोनो ओर से तोपें चलती रहीं। प्रायः प्रतिदिन युद्ध होने लग गया। जार्ज के पास भी तीन विश्वासपात्र युरोपीय कमांडर होपकीन, कैप्टन ब्रीच व कैप्टन हीयरसे थे। जिन्होंने मराठा सेना का महीने भर तक मुंहतोड़ जवाब दिया। तब मराठों के सामने ज्यादातर देशी शासक नतमस्तक होते थे, इसलिए जनरल के आग्रह से विभिन्न देशी शासकों की सैन्य सहायता भी जहाजगढ़ में पहुंच गई। इनमें सिख शासक गुरदत्त सिंह, गंगा सिंह, भाई लाल सिंह, ब्रजबन्दी सिंह, भरतपुर शासक रणजीत सिंह, हाथरस राजा रामधन सिंह, दोआब आमील रामदयाल तथा बेगम समरू के सैनिक जहाजगढ़ पहुंच गए। ऐसे में स्वयं आंकलन कर सकते हैं कि इतनी भारी भरकम सैन्य शक्ति का मुकाबला जार्ज ने किया था तो कितना भीषण युद्ध हुआ होगा। इस प्रकार सन 1801 का पूरा अक्टूबर महीना जहाजगढ़ के इर्द-गिर्द युद्ध हुआ। अन्त में जॉर्ज के किलेदार सिताब खां ने दुश्मन से मिलकर जहाजगढ़ के किले में आग लगा दी। तब बचे हुए अपने सैनिकों के साथ जार्ज 10 नवम्बर 1801 की रात को हांसी पलायन कर गया। मराठों की सम्मिलित सेना भी पीछा करती हुई एक सप्ताह बाद हांसी के बाहर पहुंच गई। 8-10 दिनों तक जार्ज की सेना ने हांसी में भी युद्ध किया। आखिर कुछ युरोपीय सैनिकों के परामर्श से जार्ज ने दिसम्बर 1801 में आत्मसमर्पण कर दिया। आश्चर्य की बात है कि उस भीषण ऐतिहासिक युद्ध का हरियाणा प्रदेश के शिक्षा विभाग की किसी भी पुस्तक में विवरण नहीं दिया गया है।

हिसार स्थित जॉर्ज कोठी जो जॉर्ज थॉमस का निवास स्थान थी, इसे वर्तमान में जहाज कोठी के नाम से जानते हैं। हांसी के प्राचीन किले के अवशेष जहां जॉर्ज ने अपने राज्य की राजधानी स्थापित की।

लोक कला एवं संस्कृति अतीत की विरासत : डॉ. सीमा वत्स

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी संस्कृति में लोक कला एवं संगीत की परंपरा की विरासत को संजोने के लिए लोक कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला के रंग बिखेर रहे हैं। ऐसे ही कलाकारों में महिला लोक कलाकार डा. सीमा वत्स भी कविताओं और गीत संगीत के साथ लोक नृत्य की कला को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। अपनी लोक कला के जरिए वह लिंग भेदभाव, नारी विमर्श और सामाजिक सरोकार के मुद्दों को लेकर समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रही हैं। खासकर वह नई पीढ़ी को लोक कला एवं संस्कृति की शिक्षा देकर उन्हें अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का भी संदेश दे रही हैं।

अपनी लोक नृत्य और गीत संगीत के सफर को लेकर एक शिक्षिका, कवयित्री और लोक कलाकार डा. सीमा वत्स ने बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं को भी रखा है, जिसमें लोक कला, संगीत और संस्कृति एक अतीत की विरासत ही नहीं है, बल्कि भविष्य का आधार भी हैं, जिससे अपनी संस्कृति को जीवंत रखने के साथ युवा पीढ़ी को आत्मिक, रचनात्मक और सामाजिक रूप से समृद्ध बनाना संभव है। हरियाणा की लोक कलाकार डा. सीमा वत्स (डॉ. सीमा रानी) का जन्म 4 मई 1981 को करनाल जिले के घरौंडा में मध्यमवर्गीय ब्राह्मण परिवार में हरिकिशन शर्मा और कमला देवी के घर में हुआ। घर परिवार में किसी तरह का साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन घरों में तीज़ त्योहार शादी ब्याह आदि समारोह में गीत, संगीत, नृत्य, अभिनय जैसी कलाकारी देखने को जरूर मिलती रही। उनकी प्राइमरी से इंटरमिडिएट की शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई। आर्य कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ही महज 19 साल की आयु में इनका विवाह हो गया और अगले वर्ष मातृत्व सुख और गृहस्थ जीवन की जिम्मेवारियों के साथ पढ़ाई को जारी रखना और लोक कला को जीवित रखना उनके लिए संघर्षशील रहा। चबचपन से ही उन्हें गीत संगीत की अभिरुचि के साथ साहित्यि का भी शौक था। उन्होंने एमएससी किया और दोबारा से एमए (अंग्रेजी) की शिक्षा पूरी की। इसके बाद वह पीएचडी पूरी करने में भी कामयाब रही। जीवन के ऐसे उतार-चढ़ाव के बीच उन्होंने लोक नृत्य विधा को अपने से दूर नहीं होने दिया। लोक संस्कृति में नृत्य और गीत की अभिरुचि के चलते ही उन्होंने ग्रेजुएशन में संगीत विषय को चुना था। बकौल डा. सीमा वत्स उनकी कला एवं साहित्यिक गतिविधियों तथा लेखन का फोकस सामाजिक सरोकार के मुद्दे रहे हैं। पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों का और भीख मांगते बच्चों का स्कूल में दाखिला, पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कार्य कर रही हैं l डा. सीमा वत्स गीता जयंती, जिला स्तरीय कार्यक्रमों, कवि सम्मेलन और काव्य गोष्ठी, रेडियो आकाशवाणी आदि में अपने लोक नृत्य का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्हें कार्यस्थल और घर की कक्षाओं में सांस्कृतिक प्रभारी और कोरियोग्राफर के अलावा जिला राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में कोरियोग्राफर के रूप में कार्य करने का भी अनुभव है।

पुरस्कार और सम्मान

लोक कलाकार डा. सीमा वत्स को लोक कला व संगीत में अनेक पुरस्कार व सम्मानों से नवाजा जा चुका है। भारत नेपाल साहित्य सम्मेलन में स्वर साधना मंच द्वारा उन्हें काव्य स्पंदन सम्मान से अलंकृत किया जा चुका है। वहीं उन्हें गोपाल दास नीरज साहित्य समूह साहित्य सम्मान, पंडित रामप्रसाद बिस्मिल सम्मान, कला सांस्कृतिक साहित्य सम्मान, सनिधा साहित्य श्री सम्मान, राष्ट्र शक्ति शिरोमणि सम्मान, बी एम बी एक्सीलेंस अवार्ड और लखनऊ में हेल्प यू नारी अस्मिता सम्मान से भी पुरस्कृत किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें सार्थक सेवा समिति, आशा रंगलाल जगदेव फाउंडेशन और श्री शक्ति स्वरूपा भव्य भारत की दिव्य विभूति जैसी संस्थाएं सम्मानित कर चुकी हैं।

आधुनिक युग में चुनौती

डा. सीमा वत्स का इस आधुनिक युग में लोक कला एवं संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर कहना है कि इंटरनेट व सोशल मीडिया के प्रभाव, लोक कला, रंगमंच, अभिनय, संस्कृति और साहित्य जैसी परंपरागत विधाओं में देखा जा रहा है। खासकर युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर होती जा रही है, जिसके कारण पहले की तुलना में कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि कुछ कम होना स्वाभाविक है। खासतौर से डिजिटल युग में पारंपरिक कलाओं की जगह आधुनिक, तकनीकी और त्वरित मनोरंजन के साधन बन गये और युवाओं को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, सोशल मीडिया, गेमिंग और रील्स जैसी चीजें भाने लगी हैं। जबकि लोक कला या साहित्य जैसे क्षेत्र ही समाज को सकारात्मक ऊर्जा और अपनी संस्कृति से जोड़े रखता है। ऐसे में आवश्यकता है कि युवाओं को साहित्य और लोक कला व संस्कृति के प्रति प्रेरित करने की दिशा में स्कूली और कॉलेज स्तर पर पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। वहीं सरकारी और निजी स्तर पर लोक कला व संस्कृति के संरक्षण और प्रोत्साहन देने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

इन्नरव्हील क्लब की नई कार्यकारिणी गठित

सिरसा। इन्नरव्हील क्लब सिरसा मेन-309 द्वारा नई कार्यकारिणी के गठन के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से मीनू सर्राफ को अध्यक्ष, सचिव वंदना कंबोज, आईएसओ शिंपी गर्ग, कोषाध्यक्ष ऊषा मेहता, संपादक किरण मेहंदीरत्ता को नियुक्त किया गया। वीना मेहता ने नवनियुक्त अध्यक्ष मीनू सर्राफ को कॉलर पहनाकर नई कार्यकारी टीम का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल का लेखा जोखा क्लब पदाधिकारियों के समक्ष रखा, जिस पर सभी ने संतुष्टि जताई।

वरच्युस क्लब ने चलाया पौधरोपण अभियान

डबवाली। नगर की प्रमुख संस्था वरच्युस क्लब ने रविवार को स्वर्ग भूमि में पौधारोपण अभियान चलाया। यह पहल क्लब के अभियान पेड़-पौधा बैंक प्रकल्प के तहत की गई, जिसका उद्देश्य वृक्षारोपण को बढ़ावा देना और पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत स्वर्ग भूमि में पहला पौधा रोपित किया एवं स्वर्ग भूमि सदस्यों को 51 छायादार पौधे भेंट किए। इसके लिए क्लब का आभार व्यक्त करते हुए सदस्यों ने विश्वास दिलाया कि इन पौधों को उचित स्थान पर लगाकर उनकी समुचित देखभाल की जाएगी।

दशमेश स्कूल के खिलाड़ियों ने गतका में जीते पदक

ओढां। हरियाणा गतका एसोसिएशन द्वारा गांव भडोलियांवाली में जिला स्तरीय गतका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सिरसा जिले के सैकड़ों खिलाडियों ने भाग लिया। एसोसिएशन के महासचिव और हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के गतका कोच बलतेज सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय गतका चैंपियनशिप के लिए हुआ है। गुरुद्वारा साहिब चोरमार के प्रबंधन में संचालित दशमेश वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के पांच खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में विभिन्न स्थान प्राप्त किए।

भाविप के फ्री मेडिकल कैंप का लोगों ने उठाया फायद

आदमपुर। आदमपुर भारत विकास परिषद की ओर से सर्वेश अस्पताल हिसार के सहयोग से रविवार को आदमपुर गोपीराम धर्मशाला में फ्री मेडिकल कैंप लगाया गया। परिषद के प्रधान अनिल गोयल ने बताया कि इस दौरान सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्राजक्ता पर्चाय, शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अंकित सिंगल, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर राशिद खान एवं दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गुंजन ग्रोवर्स, प्रियंका मरीजों की जांच की तथा जांच के बाद दवाइयां निशुल्क उपलब्ध कराई गई। इसीजी के अलावा कैंप में बीपी, ब्लड शुगर टेस्टभी निशुल्क किये गए। इस मौके पर कृष्ण धमीजा, अनिल गोयल, प्रेम काजल, चंद्रशेखर शर्मा, राजीव शर्मा, सुशील छतरपुरिया, राजकुमार ग्रोवर, पंकज मक्कड़, अशोक कथूरिया सहित अनेक सदस्य, गणमान्य व्यक्ति तथा चिकित्सक व उनकी टीम मौजूद रहे।

पगड़ी संभाल जट्टा ने प्रशासन का फूंका पुतला

हिसार। पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति ने डीएपी खाद्य पानी बिजली में बढ़ाई दरो व अन्य मुद्दों के लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। संगठन का कहना है कि बार-बार चेताने के बावजूद सरकार एवं प्रशासन किसान समस्याओं को हल करने के प्रति गंभीर नहीं है। संगठन के हिसार प्रथम ब्लॉक प्रधान साहब राम खिचड़ ने बताया की किसानों को डीएपी व यूरिया खाद नहीं मिल रही, नहरों में दो सप्ताह पानी, बिजली बिलों में हुई बढ़ोतरी व एचटी लाइन का मुआवजा सहित अन्य मुद्दों को लेकर हर गांव में यह आंदोलन किया जाएगा। इसके तहत 20 जुलाई तक हरियाणा सरकार के पुतले जलाएंगे और 21 जुलाई को सभी तहसीलों व जिला मुख्यालय पर अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपेंगे।

स्कूल प्रबंधन कमेटी के पुनर्गठन के आदेशों एवं बीएलओ ड्यूटियों का जताया विरोध

उपायुक्त और डीईओ से मिलेगा राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल

- राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। बैठक में सरकार के आदेशों को लेकर चर्चा करते राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी।

जिले के सभी 6 खंडों में सरकार द्वारा स्कूल प्रबंधक कमेटी के पुर्नगठन को लेकर आदेश जारी करने और जेबीटी शिक्षकों की बीएलओ की ड्यूटी लगाए जाने का राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने रोष जताते हुए कड़ा विरोध किया है। इस मामले को लेकर राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान विकास टुटेजा ने की। बैठक में संघ के राज्य चैयरमैन देवेन्द्र दहिया एवं राज्य कानूनी सलाहकार दलीप बिश्नोई ने विशेष तौर पर भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए विकास टुटेजा ने बताया कि सरकार द्वारा एसएमसी के पुर्नगठन को लेकर एक पत्र जारी किया गया है जिसमें एक ही प्रांगण में चल रहे प्राइमरी स्कूल व अन्य स्कूलों के लिए अब एक ही एसएमसी गठित की जाएगी और वार्षिक ग्रान्ट भी एक ही मिलेगी जोकि पहले प्राइमरी, मिडल व सेकेन्डरी स्तर पर अलग अलग मिलती थी। राज्य चैयरमैन देवेन्द्र दहिया एवं राज्य कानूनी सलाहकार दलीप बिश्नोई ने बताया कि सरकार का यह फैसला प्राइमरी स्कूलों के लिए अत्यधिक परेशानी पैदा करने वाला है क्योंकि उच्चतर स्कूलों में तो विद्यालय सुधार एवं रखरखाव के लिए अनेक तरह की ग्रांट आती हैं लेकिन प्राथमिक विद्यालयों को केवल एमसी के माध्यम से ही स्कूल ग्रांट इत्यादि एवं फंडों की राशि प्राप्त होती है। विभिन्न विद्यालयों के लिए एक एसएमसी होने पर प्राथमिक स्कूलों को दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। पहले भी जिले के बहुत से प्राथमिक विद्यालयों में डीडीओ की लापरवाही से कंटीजेंसी ग्रांट, सफाई के 8000 रुपये की ग्रांट और स्कूल सौन्दर्यीकरण पुरस्कार राशि लेप्स हो चुकी हैं।

जिला महासचिव योगेन्द्र वर्मा ने शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों से इस पत्र को तुरन्त रद्द करने की मांग की और कहा कि यदि यह आदेश लागू हो जाता है तो प्राथमिक स्कूलों के साथ उसी प्रांगण में चल रहे अन्य वरिष्ठ स्कूलों के मध्य ग्रान्ट वितरण को लेकर मतभेद उत्पन्न होंगे जिसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर होगा। ऐसे हालात मे वरिष्ठ स्कूलों के मुखिया अपने निर्णय प्राथमिक स्कूलों पर थोपने की कोशिश करेंगे।

ये रहे मौजूद

बैठक में जिला कार्यकारिणी से अनूप गोरा, धर्मवीर झाझड़ा, खण्ड भट्टू प्रधान अजित छाबा, खण्ड टोहाना प्रधान गुरनाम सिंह, खण्ड भूना प्रधान सुभाष कुमार, सुनील सांगवान, खण्ड फतेहाबाद प्रधान अशोक मिघानी उपस्थित थे।

सीएम के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

संघ के जिला वरिष्ठ उप प्रधान राकेश मदान ने बताया कि पूरे प्रदेश में नए सिरे से बीएलओ की ड्यूटी लगाई जा रही है जिसमें से 80 प्रतिशत से अधिक बीएलओ की ड्यूटियां जेबीटी शिक्षकों की लगाई जा रही हैं, जोकि प्राथमिक शिक्षकों के साथ सरासर अन्याय है। प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक को शिक्षण कार्य के अतिरिक्त भी अन्य कार्य करने होते हैं, जबकि मिडल व सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में क्लर्क आदि होते हैं। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ मांग करता है कि बीएलओ ड्यूटी जेबीटी, टीजीटी, सीएंडवी, पीजीटी की समान अनुपात में लगाई जाए। प्राथमिक अध्यापक को इस ड्यूटी से मुक्त किया जाए। जिला प्रधान विकास टुटेजा ने बताया कि जल्द ही संघ का प्रतिनिधिमंडल बीएलओ की ड्यूटियों के सम्बन्ध में जिला उपायुक्त से मिलेगा और प्राथमिक शिक्षकों को बीएलओ के कार्य से मुक्त करने का आग्रह करेगा ताकि प्राथमिक शिक्षक विद्यालय के विद्यार्थियों की शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर पाएं और एसएमसी के पुनर्गठन को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देगा।

फतेहाबाद। थानों में सफाई अभियान चलाते पुलिस कर्मचारी।

पुलिस कर्मचारियों ने दिया स्वच्छता का संदेश

थानों और पुलिस चौकियों में चलाया सफाई अभियान

मानसिक, सामाजिक और संस्थागत अनुशासन का प्रतीक : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले के सभी थानों, चौकियों व पुलिस इकाइयों में 'स्वच्छ थाने, सशक्त समाज' अभियान के तहत रविवार को सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान केवल कार्यालयीन स्वच्छता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सामाजिक एवं मानसिक प्रभाव भी स्पष्ट रूप से सामने आ रहा है। अभियान के तहत थानों व चौकियों में नियमित सफाई की गई वहीं पुराने दस्तावेजों व अनुपयोगी वस्तुओं का व्यवस्थित निस्तारण करना, वृक्षारोपण व हरियाली को बढ़ावा देना और आसपास के नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने हेतु संवाद और सहभागिता करना अभियान का हिस्सा रहे।

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि स्वच्छता केवल शारीरिक सफाई नहीं, बल्कि मानसिक, सामाजिक और संस्थागत अनुशासन का प्रतीक है। जब पुलिसकर्मी स्वयं अपने कार्यस्थल को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाएंगे, तो वे समाज के लिए एक जीवंत प्रेरणा बनेंगे।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल स्वच्छ परिसर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वच्छ सोच और स्वस्थ संबंधों के निर्माण की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। जब पुलिस और आमजन के बीच सहभागिता बढ़ेगी तो समाज में सुरक्षा और सेवा की भावना भी सशक्त होगी।

विद्यार्थियों में जीवन कौशल विकसित करना उद्देश्य

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में क्षमता निर्माण पर हुई कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में क्षमता निर्माण पर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित स्टाफ।

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल सिरसा में जीवन कौशल पर आधारित एक दिवसीय क्षमता निर्माण पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र दहिया के मार्गदर्शन में दीप प्रज्जवलन व गायत्री मंत्र के साथ हुआ। प्राचार्य नरेंद्र दहिया ने कहा कि आज के समय में केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि समस्याओं के समाधान, समय प्रबंधन, संप्रेषण कौशल तथा टीमवर्क जैसे गुण भी आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों व विद्यार्थियों में आवश्यक जीवन कौशल विकसित करना है जिससे वे भावनात्मक, सामाजिक व नैतिक रूप से सशक्त बन सकें। कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रशिक्षक रवि कुमार ने प्रतिभागियों को विभिन्न गतिविधियों व समूह चर्चाओं के माध्यम से आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता, नेतृत्व कौशल तथा तनाव प्रबंधन जैसे विषयों पर जानकारी दी। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों द्वारा फीडबैक साझा किया गया तथा प्राचार्य नरेंद्र दहिया ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि इस प्रकार की कार्यशाला समय-समय पर आयोजित होते रहेंगे ताकि विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में समग्र व्यक्तित्व विकास सुनिश्चित किया जा सके।

डॉ. चौहान से सिरसा के सरपंचों को किया संबोधित

प्रभावी ग्राम सभाओं के माध्यम से ही ग्राम स्वराज संभव : डॉ. चौहान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए डा. विरेंद्र चौहान। *फोटो : हरिभूमि*

हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पंचायती राज को सुशिक्षित पंचायतों के साथ साथ 50 फीसदी महिला जनप्रतिनिधि चुने जाने का प्रावधान क्रांतिकारी बदलाव रहा है। डॉ. चौहान रविवार को सिरसा में जिले के सरपंचों को संबोधित कर रहे थे। डॉ. चौहान अपने पहले सिरसा दौरे के अवसर पर जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों से रूबरू हुए। उन्होंने रानियां खंड के खारियां गांव में विकास कार्यों का मुआयना करने के साथ-साथ ग्रामवासियों के साथ संवाद भी किया। डॉ. चौहान ने कहा वास्तविक ग्राम स्वराज सक्रिय और प्रभावी ग्राम सभाओं के माध्यम से ही लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यभार संभालते ही ग्रामोदय से भारतोदय का उद्घोष लगाकर अपने संकल्प को व्यक्त किया था। डॉ. चौहान ने कहा कि केंद्र और राज्य की सरकार ग्रामीण विकास के लिए पुरजोर ऊर्जा के साथ काम कर रही हैं। इस काम को हरियाणा में अब शिक्षित निर्वाचित जनप्रतिनिधि अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जहां अब 50 फीसदी पंचायती राज प्रतिनिधि महिलाएं हैं वहीं ऐसी महिला सरपंचों व अन्य पदाधिकारी की संख्या भी लगातार बढ़ रही हैं जो अग्रिम मोर्चे पर खड़े होकर विकास कार्यों की कमान संभाले हुए हैं। उन्होंने पंचायती राज और ग्राम विकास से जुड़े मसलों पर क्षेत्र के लोगों को पेश आ रही समस्याओं के समाधान में हर संभव मदद का विश्वास भी दिलाया। इस अवसर पर नगर परिषद के अध्यक्ष वीर शांति स्वरूप, पूर्व पार्षद मीनू भट्टी, अजय भट्टी, सरपंच खलील, डॉ. बंसीलाल, सतपाल, कविता, वेद प्रकाश, रणदीप सिंह, दीप सिंह, गुरिंदर सिंह, सुरेश कुमार, अशोक कुमार, संदीप कुमार, अमन कंबोज, सुखदेव, धानी रामपुरा, राजेश कुमार, राजेश कुमार हांडीखेड़ा, रोहताश, हरपाल सिंह, रिंकू सिंह आदि आदि मौजूद रहे।

दिवंगत छात्राओं की याद में लगाया रक्तदान शिविर

सिरसा। शिविर में रक्तदान करती एक महिला। **फोटो :हरिभूमि**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

एमएम मेमोरियल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ओढ़ां में रविवार को दो दिवंगत छात्राओं मनप्रीत और मनप्रीत की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दोनों छात्राएं 13 जुलाई 2015 को सडक़ हादसे में स्वर्ग सिधार थीं, उनकी स्मृति में हर साल यह आयोजन होता है। रक्तदान शिविर में 150 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। इससे पहले दोनों छात्राओं को श्रद्धांजलि दी गई। विद्यालय निदेशक गुलाब सिंह ने संगत को संबोधित करते हुए दोनों बेटियों की यादें सांझा कीं। साथ ही स्कूल द्वारा विद्यार्थियों के भविष्य के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। समारोह में डेरा ब्लड बैंक सिरसा से विनोद कुमार और गुप्ता ब्लड बैंक बठिंडा से अशोक कुमार विशेष रूप से पहुंचे।

जनता मैटरनिटी अस्पताल में विदाई समारोह आयोजित

चिकित्सक को सेवा के आदर्श मापदंडों को अपनाकर करना चाहिए उपचार : जिंदल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। ट्रस्ट के प्रधान बृजलाल जिंदल व अन्य सेवानिवृति पर चिकित्सकों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए।

जनता मैटरनिटी एवं जनरल अस्पताल में डॉ. गुरजिंद्र सिंह, डॉ. विश्वंजय मेहता की स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। वेलफेयर ट्रस्ट के प्रधान बृजलाल जिंदल ने कहा कि अस्पताल में दोनों चिकित्सकों की सेवाएं सराहनीय रही हैं। हर चिकित्सक को आर्थिक मूल्यों को महत्व न देकर सेवा के आदर्श मापदंडों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर अपनाकर रोगियों का उपचार करना चाहिए। चैरिटेबल संस्थाओं के अस्पतालों में तो उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि डॉ. गुरजिंद्र सिंह का 30 माह का कार्यकाल बहुत ही संतोषजनक व अच्छा रहा, जिसमें उन्होंने आर्थिक मूल्यों को महत्व न देकर सेवाभाव से मरीजों का उपचार करके अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जो अन्य चिकित्सकों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा। प्रशासक राजकुमार कामरा ने बताया कि डॉ. विश्वंजय मेहता का कार्यकाल, उनकी व्यवहार कुशलता व कार्य दक्षता के कारण सराहनीय रहा है जिस कारण उनको हमेशा याद रखा जाएगा। समारोह के समापन पर बृजलाल जिंदल ने दोनों चिकित्सकों डॉ. गुरजिंद्र सिंह व डॉ. विश्वंजय मेहता के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राधेश्याम शर्मा, डॉ. अंजना नरूला, डॉ. गौरव गुप्ता, डॉ. इंद्रांशु सारस्वत, डॉ. जयगोपाल शर्मा, जनता भवन के प्रबंधक राम अवतार व देवी सहाय, कार्यालय प्रभारी सुधीर सारस्वत आदि मौजूद रहे।

समाधान सांसद बराला ने आमजन से मुलाकात कर सुनीं समस्याएं

सांसद से मिला मनोनीत पार्षदों का प्रतिनिधिमंडल, जताया आभार

- रेलयात्री एसोसिएशन टोहाना के प्रतिनिधियों ने भी जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

टोहाना। सांसद सुभाष बराला का आभार जताता प्रतिनिधिमंडल। फोटो : हरिभूमि

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को आमजन से मुलाकात कर लोगों की समस्याएं सुनी और उनके समाधान के लिए आश्वस्त किया। सांसद ने कहा कि जनता की सेवा ही उनका प्रथम कर्तव्य है और वे सदैव जनकल्याण के लिए तत्पर रहेंगे। इस मौके पर हरियाणा सरकार द्वारा मनोनीत नगर परिषद पार्षदों का एक प्रतिनिधिमंडल भी राज्यसभा सांसद से मिला और उनके निरंतर सहयोग व मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद प्रकट किया। पार्षदों ने कहा कि बराला ने हमेशा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी है और चाहे विकास कार्य हों, अधूरे प्रोजेक्ट्स की मॉनिटरिंग हो या प्रशासनिक समस्याएं, सांसद का सक्रिय सहयोग उन्हें हर स्तर पर मिला है। इस अवसर पर रेलयात्री एसोसिएशन टोहाना के प्रतिनिधियों ने भी राज्यसभा सांसद से मुलाकात की और आंदोरा-अम्बाला मेमू ट्रेन को टोहाना रेलवे स्टेशन पर ठहराव की स्वीकृति दिलवाने के लिए आभार जताया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय टोहाना एवं आस-पास के क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ी सुविधा साबित होगा। इससे न केवल आम यात्रियों को यात्रा में सुविधा मिलेगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। रेलयात्री एसोसिएशन ने सांसद द्वारा रेलवे विभाग के साथ समन्वय कर लंबे समय से लंबित इस मांग को साकार करने के लिए धन्यवाद दिया और उम्मीद जताई कि भविष्य में भी बराला इसी तरह यात्रियों के हितों की पैरवी करते रहेंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर संवाद करते हुए राज्यसभा सांसद श्री सुभाष बराला ने कहा कि वे सदैव जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है, जनता की समस्याएं उनकी अपनी समस्याएं हैं और उनका समाधान मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि टोहाना क्षेत्र न केवल मूलभूत सुविधाओं के मामले में बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और व्यापार जैसे हर क्षेत्र में आगे बढ़ेगा, इसी उद्देश्य के साथ केंद्र व राज्य सरकार के साथ मिलकर लगातार काम कर रहे हैं।

पढ़ाई के साथ चरित्र निर्माण भी करते हैं शिक्षकः बिंदू

सिरसा। स्कूल में कार्यक्रम में पहुंची ब्रह्मकुमारी बहनें। *फोटो : हरिभूमि*

सिरसा। आनंद सरोवर ब्रह्मकुमारी आश्रम में संस्था द्वारा शिक्षकों के साथ आध्यात्मिक बैठक की जिसमें सेंट जेवियर स्कूल के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य शिक्षकों को आत्मिक जागरूकता, नैतिक मूल्यों, सकारात्मक चिंतन और तनावमुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत ब्रह्मकुमारी संस्था की वरिष्ठ बीनू द्वारा की गई। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका, उनके आचरण और आत्मिक शक्ति के विषय में मार्गदर्शन दिया। एक बालिका ने नृत्य प्रस्तुति द्वारा भव्य स्वागत किया। शिक्षक, मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत विषय पर एक अत्यंत भावनात्मक और ज्ञानवर्धक व्याख्यान हुआ। ब्रह्मकुमारी बिंदु ने बताया कि शिक्षक सिर्फ विषय पढ़ाने वाले नहीं होते, बल्कि बच्चों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दौरान एक शांत वातावरण में सभी शिक्षकों ने राजयोग ध्यान का अभ्यास किया। इसमें आंतरिक शांति, आत्म-विश्लेषण और तनाव प्रबंधन की विधियां सिखाई गई।

खबर संक्षेप

हेरोइन सहित युवक गिरफ्तार, केस दर्ज

सिरसा। पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान भावदीन रंगोई नाला क्षेत्र से एक बिना नंबर के बाइक सवार नशा तस्कर को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी संदीप कुमार ने रविवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव भावदीन क्षेत्र में जा रही थी। इसी दौरान रंगोई नाला के पास एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसे काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 15 ग्राम 4 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान जगमोल के रूप में हुई।

मेहताब बने इनेलो किसान सेल के प्रधान

सिरसा। इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने रविवार को सिरसा हलका की कार्यकारिणी घोषित की। घोषित कार्यकारिणी में मेहताब सिंह को प्रकोष्ठ का हलका प्रधान बनाया गया है जबकि रणबीर सिंह को वरिष्ठ उपप्रधान का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार रामलाल, राजेश खोथ, देवीलाल चोयल व मदन ढूकिया को संयुक्त रूप से उपप्रधान बनाया गया है। ओमप्रकाश को प्रधान महासचिव बनाया गया है। इसी प्रकार सुभाष, बंसीलाल, रायसिंह बेनीवाल को संयुक्त रूप से महासचिव बनाया गया है। भंवर, अशोक कुमार व रामेश्वर व पूर्ण को सचिव का दायित्व दिया गया है। रामपाल को कोषाध्यक्ष, रामप्रकाश को प्रचार सचिव व हनुमान शर्मा को संगठन सचिव पद की जिम्मेदारी दी गई है।

राजकीय स्कूल को वाटर कूलर भेंट किया

सिरसा। गांव भरोखां ढाणी निवासी डॉ. लालचंद मिरोक ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भरोखां को लाइब्रेरी के लिए वाटर कूलर भेंट किया है ताकि विद्यार्थियों को पीने के लिए शीतल पानी मिल सके। इसी प्रकार गांव भरोखां निवासी एवं अध्यापक नेता वीर सिंह ने बाल वाटिका के लिए एक ए.सी. दानस्वरूप भेंट किया है ताकि प्राइमरी स्कूल में पढऩे वाले बच्चों को गर्मी से राहत मिल सके। स्कूल के प्रिंसिपल वेद रोज व प्राइमरी स्कूल के मुख्य अध्यापक सुरेंद्र कुमार ने उक्त दानों दानी सज्जनों का आभार प्रकट किया।

इनेलो की हलका कार्यकारिणी की घोषणा

सिरसा। इनेलो के जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला, प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा, डबवाली के विधायक आदित्य देवीलाल, रानियां के विधायक अर्जुन चौटाला, जिला परिषद सिरसा के चेयरमैन कर्ण सिंह चौटाला, इनेलो नेत्री व रोहताश को उपप्रधान मनोनीत किया गया है। वहीं देवीलाल न्यौल को प्रधान महासचिव का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार विनोद कुमार, सोहनलाल, राजपाल, भीम सिंह को महासचिव जबकि नौरंगराम, शंकर, अनिल, सुरेंद्र कुमार व भगत सिंह को सचिव बनाया गया है। इसी प्रकार राजबीर को संगठन सचिव, सुभाष को कोषाध्यक्ष व रंजीत चोयल को प्रचार सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रचार में जुटने का आह्वान किया।

गांव-गांव जाकर नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक कर रही पुलिस व समाजसेवी

नशे के खिलाफ जंग में पुलिस को कामयाबी 349 युवा समाज की मुख्यधारा में लौटे

हम सब मिलकर एक बेहतर, सुरक्षित और स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व और दृढ़ संकल्प के अंतर्गत जिलेभर में चलाया जा रहा अपराध एवं नशा मुक्ति अभियान शानदार सफलता की ओर अग्रसर है। यह अभियान न केवल नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई कर उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचा रहा है, बल्कि इससे भी अधिक मानवता का धर्म निभाते हुए उन युवाओं के जीवन में आशा की किरण जगा रहा है, जो नशे की भयंकर दलदल में फंसे हुए थे। पुलिस द्वारा गठित नशा मुक्ति टीम ने अब तक 2261 युवाओं को चिन्हित किया है, जिनमें से 1614 युवाओं का होम्योपैथिक, देशी एवं एलोपैथिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से उपचार प्रारंभ किया गया है। इनमें से 349 युवक नशे की लत से पूरी तरह मुक्त होकर समाज की मुख्यधारा में सफलतापूर्वक लौट चुके है। इसके अतिरिक्त, नशा मुक्ति टीम द्वारा विद्यालयों, कॉलेजों, गली-मोहल्लों और गांवों में जागरूकता सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही, नशा मुक्ति शिविर लगाकर नशा ग्रस्त युवाओं को निःशुल्क उपचार भी प्रदान किया जा रहा है। जिले के रतिया क्षेत्र में इस अभियान के सकारात्मक और प्रत्यक्ष परिणाम स्पष्ट रूप से सामने आए हैं। वार्ड नंबर 4, रतिया में हाल ही में पांच युवाओं की पहचान की गई, जो वर्षों से नशे की चपेट में थे। उपनिरीक्षक सुन्दर लाल के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम एवं समर्पित केयर टेकरों की अथक मेहनत, चिकित्सकीय सहायता, मानसिक परामर्श और भावनात्मक सहयोग से इन युवाओं को समाज की मुख्यधारा से पुनः जोडऩे में निर्णायक सफलता मिली।

फतेहाबाद। नशे के कारण खराब हुए युवक के दोनों हाथ।

एसपी बोले : नशा समाज का शत्रु

एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि नशा समाज का शत्रु है। इसके विरुद्ध लड़ाई में हमें कानून की शक्ति के साथ-साथ करुणा और सहयोग की भावना से भी कार्य करना होगा। यदि एक युवा बदलता है, तो उसके साथ पूरा परिवार और समाज भी बदलता है। उन्होंने आगे कहा कि यह अभियान एक प्रेरणास्रोत है, जो यह दर्शाता है कि जब प्रशासनिक सख्ती के साथ मानवीय संवेदना जुड़ जाए, तो कोई भी परिवर्तन असंभव नहीं होता। यह पहल अब केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्निर्माण की एक उज्ज्वल और प्रेरणादायी कहानी बन चुकी है। एसपी ने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि आपके आसपास कोई युवा नशे की लत से पीड़ित हो, तो कृपया तुरंत पुलिस की नशा मुक्ति टीम को सूचित करें। समय पर उपचार द्वारा उस युवा को नशे की दलदल से बाहर निकालकर उसे एक सार्थक जीवन की ओर अग्रसर किया जा सकता है।

रतिया में दो युवाओं की स्थिति अत्यंत गंभीर मिली

रतिया में इन युवाओं में से दो की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। एक युवक निरंतर इंजेक्शन के माध्यम से नशा करता था, जिसके कारण उसके दोनों हाथ बुरी तरह संक्रमित होकर लगभग निष्क्रिय हो चुके थे। नशा मुक्ति टीम ने उसकी विशेष देखभाल और उपचार सुनिश्चित किया, साथ ही मानसिक संबल भी प्रदान किया। दूसरा युवक नशे की लत के कारण अपने परिवार से मानसिक रूप से पूरी तरह कट चुका था। संबंधों में इतनी दूरी आ गई थी कि वह अकेलेपन और अवसाद में डूबता जा रहा था। नशा मुक्ति टीम की मदद से वह आज फिर से सामान्य जीवन की ओर अग्रसर है। यह बदलाव केवल दो युवाओं का नहीं, बल्कि समाज में आशा, पुनर्वास और सामूहिक पुनर्निर्माण का प्रतीक है। आज सैकड़ों युवा नशे को अलविदा कहकर शिक्षा, रोजगार और समाज सेवा की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं तथा अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनते जा रहे हैं।

लायंस क्लब ने गायों को सवामणी खिला की सेवा

भूना। श्री गोपाल कृष्ण गौशाला हिसार रोड भूना में रविवार को लायंस क्लब भूना की टीम ने गायों और गोवंश को सवामणि खिला कर सेवा की। क्लब ने विभिन्न अनाजों से सवामणि तैयार करवाई। गायों को सूखे चारे में मिलाकर यह प्रसाद खिलाया गया। क्लब के सदस्यों ने गौ माता का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में लायंस क्लब के जोन चेयरमैन अशोक कत्याल विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट चेयरमैन टिब्बी के पूर्व सरपंच रामदास नंबरदार और सिंथला के संजय जाखड़ रहे। क्लब के प्रधान राहुल कंबोज ने अध्यक्षता की। संचालन डॉ. राजकुमार शर्मा ने किया। कंबोज ने बताया कि क्लब सामाजिक कार्यों के साथ धार्मिक सेवा में भी सक्रिय है। उन्होंने कहा कि गाय की सेवा से आत्मिक शांति मिलती है।

शहर को हरा भरा बनाने के लिए सीड बॉल बनाने का काम शुरू

फतेहाबाद। शहर को हरा-भरा बनाने के लिए समाजसेवी लोग मानसून के सीजन में जोर-शोर से पौधारोपण करने के अभियान में जुटे है। पेड़ पौधे लगाना, उनकी देखरेख करना, बीज तैयार करना और उसे लोगों के बीच में बांटना और अब बीज को मिट्टी में लपेटकर लड्डू यानी सीड बॉल बनाकर छाया में सुखा कर तैयार करना, इसी काम में लगे हुए महेंद्र कुमार धारनिया एडवोकेट। उन्होंने बच्चों व युवाओं के साथ मिलकर सीड बॉल तैयार की है और इनको छाया में सुखाकर अब नमी वाली सडक़ व नहर के किनारे डाला जाएगा ताकि बरसात होने पर बीज अंकुरित होकर के नेचुरल पेड़ तैयार हो सके।

रतिया में कई स्थानों पर पुलिस की दबिश, खोजी स्वान दल एवं स्वैट टीम के साथ ली तलाशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिलेभर में चलाए जा रहे अपराध व नशा मुक्त अभियान के तहत रतिया पुलिस ने रविवार को नशा तस्करों के विरुद्ध विशेष सर्च अभियान चलाया। इस अभियान में खोजी स्वान दल और स्वैट टीम की सहायता से शिमलापुरी कॉलोनी के अलावा गांव नथवान और रत्ताखेड़ा क्षेत्रों में कई संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी गई और संभावित तस्करों से पूछताछ की गई। रतिया थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत सिंह ने बताया कि यह अभियान नशा मुक्त समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक कदम है। पुलिस टीमों ने शहर तथा आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में गहन पेट्रोलिंग एवं तलाशी अभियान चलाया। साथ ही, पूर्व में नशा तस्करी में संलिप्त रहे व्यक्तियों के ठिकानों पर विशेष निगरानी भी रखी गई। इस विशेष तलाशी अभियान में खोजी स्वान दल और स्वैट टीम की मदद से संदिग्ध मकानों, गलियों व छिपने के संभावित स्थानों की बारीकी से जांच की गई। इस दौरान पुलिस ने कुछ संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की तथा उनके दस्तावेजों और गतिविधियों की गहनता से जांच की जा रही है। यदि किसी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होते हैं, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फतेहाबाद। सर्च अभियान चलाते पुलिस कर्मचारी।

स्वर्ग आश्रम सोसायटी की बैठक, प्रस्ताव पास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

स्वर्ग आश्रम सोसायटी की बैठक बाईपास स्थित स्वर्ग आश्रम सोसायटी में प्रधान ज्ञानचंद चोपड़ा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आश्रम के रखरखाव व कमेटी के नए सदस्य बनाए जाने पर विचार किया गया। बैठक में आमंत्रित एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने स्वर्ग आश्रम में जरूरी व्यवस्था के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इसके बाद स्वर्ग आश्रम की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए कई प्रस्ताव पास किए गए। सोसायटी के प्रधान ज्ञानचंद चोपड़ा व उप प्रधान सरदार पाल सिंह खोखर ने बताया कि स्वर्ग आश्रम में साफ सफाई की व्यवस्था, पानी की उचित व्यवस्था, लाइट की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था, लकडिय़ों की व्यवस्था और परिसर के सुंदरीकरण पर ध्यान देना आदि प्रमुख रहे। उन्होंने कहा कि स्वर्ग आश्रम की सेवा के लिए नये सदस्य बनाए जा रहे हैं व जो भी व्यक्ति कमेटी का सदस्य बनना चाहता है वह कमेटी के सदस्यों से मिलकर सदस्य बन सकता है। आज पीएलडी बैंक रिटायर कर्मचारी नन्द सिंह सैनी को सदस्य बनाया गया है।

कमेटी सदस्यों ने आमजन से अपील की है कि समिति द्वारा स्वर्ग आश्रम परिसर में एक दानपात्र रखवाया है। इसमें किसी भी अंतिम संस्कार के अवसर पर स्वर्ग आश्रम में आने वाले सभी शहरवासियों से अपील की है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी श्रद्धा अनुसार कम से कम 10 रुपये का सहयोग अवश्य करे। इस मौके पर हरबंस खन्ना, बिजली विभाग रिटायर कर्मचारी बलविंदर शर्मा, डॉक्टर शिशपाल खोखर,रुप खोखर व अन्य मौजूद रहे।

रतिया। बैठक में भाग लेते स्वर्ग आश्रम सोसायटी के सदस्य।

भूना। खिलाडिय़ों को सम्मानित करती अकादमी की मैनेजिंग डायरेक्टर।

हरियाणा शूटिंग में चमके भूना के छह खिलाड़ी नेशनल के लिए किया क्वालीफाई

भूना। हरियाणा शूटिंग चैम्पियनशिप में शाइन स्टार डिफेंस एंड स्पोर्ट्स अकादमी के छह खिलाडिय़ों ने शानदार प्रदर्शन कर नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। खिलाडिय़ों का अकादमी में पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। बता दें कि दिल्ली में 1 जुलाई से 10 जुलाई तक चली हरियाणा स्कूली स्टेट चैंपियनशिप में इन खिलाडिय़ों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में जूनियर, सीनियर यूथ और यूथ वर्ग में 10 मीटर राइफल और 10 मीटर पिस्टल स्पर्धाएं हुई। अकादमी की शानवी ने ऑल हरियाणा में 21वां रैंक और लक्ष्य ने 30वां रैंक हासिल किया। राइफल और पिस्टल वर्ग में रितेश, विराट, विवेका और हर्ष ने भी दमदार प्रदर्शन किया। इन सभी ने शूटिंग में गोल्ड मेडल जीते। अब ये खिलाड़ी प्रस्तावित नेशनल चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। अकादमी की मैनेजिंग डायरेक्टर मनप्रीत कौर और स्टाफ ने कोच विशाल सोलंकी और खिलाडिय़ों का स्वागत किया।

कंवल चौधरी भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी बने, जिलाध्यक्ष ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता कंवल चौधरी को भाजपा हाई कमान ने जिले के संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। भाजपा हाई कमान ने कंवल चौधरी को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। अपनी नियुक्ति पर कंवल चौधरी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य व जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा का आभार व्यक्त किया। बीजेपी जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कंवल चौधरी को मिठाई खिलाकर उनकी नियुक्ति पर बधाई व शुभकामनाएं दी।

उल्लेखनीय है कि कंवल चौधरी सालों से भाजपा से जुड़े हुए हैं। भाजपा द्वारा मिली हर जिम्मेदारी को उन्होंने बड़ी सरलता और सूझबूझ के साथ निभाते हुए संगठन में अपनी अमिट पहचान बनाई है। वहीं सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों में भी कंवल चौधरी की अहम भूमिका रहती है।

फतेहाबाद। मीडिया प्रभारी कंवल चौधरी को बधाई देते बीजेपी जिलाध्यक्ष।

हरियाली का संकल्पः लायंस क्लब ने 250 पौधे लगाए व 350 बांटे

भूना। लायंस क्लब भूना ने पर्यावरण बचाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया। क्लब ने वृक्षारोपण शिविर का आयोजन किया। इस दौरान 250 पौधे अलग-अलग जगहों पर लगाए गए। 350 पौधे आम लोगों को बांटे गए। लोगों को पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब प्रधान राहुल कम्बोज ने की। परियोजना चेयरमैन संजीव कक्कड़ और रोहित सेठी ने अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में आए लोगों को पेड़ों की अहमियत बताई गई। उन्हें अपने आसपास हरियाली बनाए रखने का संदेश दिया गया। जोन चेयरमैन कत्याल ने कहा कि लायंस क्लब भूना का यह प्रयास समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने वाला है। क्लब ने हर वर्ग को जोडक़र हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। इस मौके पर क्लब के वरिष्ठ सदस्य डॉ. राजकुमार शर्मा, समन्वयक प्रवीन मुंजाल, जोन चेयरमैन अशोक कत्याल, पूर्व प्रधान अनिल भूटानी, कोषाध्यक्ष दिनेश भूटानी और पूर्व प्रधान अजय मेहता मौजूद रहे। सभी सदस्यों ने 5-5 पौधे खुद लगाए।

भूना। पौधारोपण करते हुए लायंस क्लब के सदस्य।

समस्याओं को लेकर उपायुक्त से मिलेंगे वार्ड दस के लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

शहर के हरिविष्णु कॉलोनी की गली नंबर-3 में श्री रामानुज हनुमान मंदिर के हाल में रविवार को वार्ड नंबर 10 के लोगों की और भाईचारा गुरुप के सदस्यों की एक मीटिंग हुई। मिटिंग में वार्ड में पसरी समस्याओं केंद्रीय विद्यालय नंबर-2 से लेकर टी प्वाइंट कंगनपुर ऑटो मार्केट रोड के ऊपर थोड़ी सी बरसात में पानी एक सप्ताह तक जमा रहना, वार्ड की राम गली, कालूराम सेठी वाली गली और ममता क्लीनिक वाले एरिया में सीवर का पानी पिछले 20 दिनों से जमा रहना और ऑटो मार्के ट के शुरूआत से लेकर रुद्रा मोटर तक सडक़ का बिल्कुल टूटा हुआ होना और वार्ड में सफाई का न होना जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान विमर्श के बाद निर्णय लिया गया कि उपरोक्त समस्याओं के निदान के लिए उपायुक्त सिरसा से समाधान शिविर में मिलकर हल करने की प्रार्थना की जाए और सभी संबंधित विभागों को भी पत्र सौंपा जाए। सभी ने मौके पर समस्याओं के निदान के लिए अलग-अलग पत्र लिखे और सभी के हस्ताक्षर करवाए और सोमवार को उपायुक्त को यह पत्र देने का निर्णय लिया। बैठक में सुरेंद्र शर्मा, एडवोकेट ओमप्रकाश अरोड़ा, रामकुमार ढिल्लों, राजेंद्र ढाका, सुरजीत सहारण, सज्जन भांभू, कैप्टन महावीर सोलंकी व अन्य मौजूद रहे।

सिरसा। समस्याओं को लेकर मिटिंग करते वार्ड 10 के निवासी।

परेशानी गांवों में जाने वाले लोगों को निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ा

दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में फतेहाबाद से भिवानी गई 80 बसें, दिनभर यात्री रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भिवानी में रविवार को आयोजित राज्य स्तरीय गुरु दक्ष जयंती समारोह में भाग लेने के लिए फतेहाबाद जिले से काफी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता व प्रजापति समाज के लोग रोडवेज बसों में सवार होकर भिवानी के लिए रवाना हुए। इस समारोह को लेकर कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह नजर आया वहीं आम लोग रोडवेज बसें गायब रहने से परेशान दिखे। दरअसल कार्यकर्ताओं को भिवानी ले जाने के लिए रोडवेज द्वारा 80 बसों का प्रबंध किया गया था। 80 बसों के अपने रूटों से गायब रहने से रविवार को दिनभर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। खासकर गांवों से आने वाले आमजन परेशान दिखे और उन्हें निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ा। बता दें कि भिवानी में रविवार को राज्य स्तरीय गुरु दक्ष जयंती समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सीएम नायब सैनी मुख्य अतिथि रहे जबकि समारोह की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने की। इस समारोह को लेकर कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने पूरी ताकत झोंक रखी थी। पिछले दिनों उन्होंने फतेहाबाद का दौरा कर समाज के लोगों से इस कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लेने की अपील करते हुए निमंत्रण भी दिया था। फतेहाबाद के गांव मताना से सरपंच दलबीर वर्मा एडवोकेट के नेतृत्व में काफी संख्या में समाज के लोग रविवार को भिवानी के लिए रवाना हुए। इसके अलावा जिलेभर से रोडवेज बसों के जरिए प्रजापति समाज के लोगों व बीजेपी कार्यकर्ताओं को भिवानी में इस समारोह में भाग लेने भेजा गया है। फतेहाबाद से 80 में से 60 बसें फतेहाबाद डिपो से जबकि 20 बसें टोहाना सब डिपो से रवाना की गई। गौरतलब है कि जिले में कुल 180 बसें ही रूटों पर दौड़ती है। इनमें से 25 बसें दिल्ली व चंडीगढ़ जैसे लंबे रूटों पर भेज दी जाती हैं। बाकी पूरे जिले के लिए मात्र 155 बसें ही बचती हैं। इनमें से भी 80 बसें भिवानी भेजे जाने से यात्री पूरे दिन परेशान रहे।

फतेहाबाद। गांव मताना से सरपंच दलबीर वर्मा के नेतृत्व में भिवानी रवाना होते कार्यकर्ता।